इतिहास

ब्रेटन वूड्स, न्यू हैम्पशायर में, द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान परिकल्पित विश्वबैंक ने प्रारम्भिक रूप से युद्ध के बाद यूरोप के पुनर्निमाण में सहायता की। इसका **250** मिलियन डॉलर का पहला ऋण **1947** में युद्ध के उपरान्त पुनर्निमाण के लिए फ्रांस को दिया गया था। विकासशील और बदलती अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित करने वाली प्राकृतिक आपदाओं, मानवीय आपात् स्थितियों और युद्ध के बाद पुनर्वास की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, पुनर्निमाण बैंक के कार्य का महत्वपूर्ण लक्ष्य रहा है।

तथापि, आज के बैंक ने अपने समस्त कार्य के अति प्रमुख ध्येय के रूप में गरीबी मिटाने पर अपने लक्ष्य को पैना किया है। किसी समय पर इस का इंजिनियरों और वित्तीय विश्लेषकों का समरूप स्टाफ केवल वाशिंगटन, डी.सी. में स्थित था। आज, इसके पास अर्थशास्त्रियों, सार्वजनिक नीति विशेषज्ञों, क्षेत्रीय विशेषज्ञों, और सामाजिक वैज्ञानिकों सहित विभिन्न शाखाओं से सम्बन्धित एवं भिन्न प्रकार का स्टाफ है। स्टाफ का **40** प्रतिशत अब विभिन्न देशीय कार्यालयों में स्थित है।

बैंक स्वयं भी पहले की अपेक्षा बड़ा, व्यापक और कहीं अधिक जटिल हो गया है। घनिष्ठता पूर्वक सम्बद्ध पांच विकास संस्थानों को सम्मिलित करके यह एक समूह हो गया है : इंटरनेशनल बैंक फॉर रिकन्सट्रक्शन एण्ड डेवलपमेन्ट (आई बी आर डी), इंटरनेशनल डेवलेपमेंट एसोसिएशन (आई डी ए), इंटरनेशनल फाइनेंस कॉर्पोरेशन (आई एफ सी), मल्टीलेट्रल इंवेस्टमेंट गारन्टी एजेन्सी (एम आई जी ए), और इन्टरनेशनल सेंटर फॉर सेटलमेन्ट ऑफ इन्वेस्टमेन्ट डिस्प्युट्स (आई सी एस आई डी)।

परिवर्तन

1980 के दशक के दौरान, बैंक ने बहुत सी दिशाओं में प्रयास किये : इस दशक के शुरू में बैंक का स्थूल आर्थिक तथा ऋण अदायगी के पुनर्निर्धारण सम्बन्धी मुद्दों से आमना-सामना हुआ; इस दशक के बाद के वर्षों में, सामाजिक और पर्यावरण सम्बन्धी मुद्दों ने प्रमुख स्थान ले लिया, तथा मुक्तकंठ से अपने भाव व्यक्त करने वाले सभ्य समाज ने बैंक को कुछ महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में अपनी नीतियों का पालन न करने के लिए दोषी ठहराया।

बैंक के काम-काज की गुणवत्ता के बारे में चिन्ताओं के निवारण के लिए, वापेनहन्स रिपोर्ट जारी की गयी और इसके बाद शीघ्र ही सुधार की दिशा में कदम उठाये गये, जिनमें बैंक के विरुद्ध दावों की जाँच पड़ताल करने के लिए एक निरीक्षण पैनल का बनाया जाना शामिल था। तथापि, आलोचना बढ़ती गयी और **1994** में मैड्रिड की वार्षिक सभाओं में चोटी पर पहुंच गयी।

सुधार और नवीनीकरण

तब से, बैंक के समूह ने बहुत प्रगति की है। सभी पाँचों संस्थान आन्तरिक दक्षता एवं बाह्य कुशलता को सुधारने के लिये - अलग से और सहयोगी रूप से - कार्य कर रहे हैं। बैंक समूह के सेवा स्तरों, वचनबद्धता, साधनों के वितरण, तथा गुणवत्ता में बदलाव को देखकर ग्राहक सामान्य रूप से खुश बताये जाते हैं।

बैंक, विश्वव्यापी नीति के कार्यक्षेत्र में पहले की तुलना में कहीं अधिक, महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कर रहा है। बोस्निया में लड़ाई के बाद के कार्य से लेकर पूर्वी एशिया में विषम स्थिति के उपरान्त सहायता तक व मध्य अमेरिका में तूफान के बाद की सफाई से लेकर टर्की व कोसोवो तथा पूर्वी टाइमर में भूकम्प के बाद की सहायता तक जटिल आपात् स्थितियों में यह भागीदारों और ग्राहकों के साथ प्रभावी रूप से व्यस्त रहा है।

प्रगति के इन पर्याप्त कार्यो से भी, बैंक समूह का एजेन्डा अभी पूरा नहीं हुआ है, न ही यह कभी हो सकता है, क्योंकि विकास की चुनौतियों का बढ़ना जारी है।

बैंक के इतिहास में प्रमुख घटनाओं की समयरेखा के लिए देखें विश्व बैंक समूह के इतिहास का समय चक्र।

नॉर्वे का प्रतिनिधिमंडल
ब्रेटन वूड्स
जुलाई **1944**

यू एस सेक्रेट्री ऑफ दि ट्रेजरी
हेनरी मोर्गन्थौ, ब्रेटन वूड्स
जुलाई **1944**

माता एवं पुत्री, चीन, **1993**